होत आवेरो म्हारा धाम को गुरु न भेज्यो परवाणो

होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

हम कारज निर्माण किया,
आरे परमेश्वर को जाणु,
मुल रच्यो निजधाम को,
जाकर होय रे ठिकाणु,
होत आवेंरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

ओ सल्ला बिहार के,
काई लावो रे बयाना,
कस के कमर को जायगो,
जामे साधु समाना,
होत आवेंरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

बहु सागर जल रोखीयाँ,
देव जबर निसाणी,
चेहरा हो देखो निहार के,
काहे दल को हो धाम,
होत आवेंरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

नाम शब्द को राखजो,
आरे बैकुंट को जाणु,
सब संतन का सार है,
चाहे होय परवाणो,
होत आवेंरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

तीरुवर परवाणो कीजीये,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नही देणा रे भेद,
गुरु मनरंग पहिचाणिया,
मानो वचन हमारो,
होत आवेंरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

होत आवेरो म्हारा धाम को,
गुरु न भेज्यो परवाणो।bd।

प्रेषक – घनश्याम बागवान।
बजरंज मंडल सिद्दीकगंज।
7879338198

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com